MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2024–2025

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–10	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2024 सत्र – मार्च 31, 2025
जनवरी, 2025 सत्र – सितम्बर 30, 2025

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (द्वितीय वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से वैयक्तिक कार्य अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करें। 20

अथवा

मैरी रिचमंड (1917) द्वारा प्रतिपादित सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के चरणों पर चर्चा करें। 20

2) वैयक्तिक कार्य अभ्यास के घटकों को विस्तार से समझाएँ। साथ ही, भारत में वैयक्तिक कार्य अभ्यास के संदर्भ में घटकों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

भारत में समाज कार्य पेशे में परामर्श के दायरे का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) भारत में वैयक्तिक कार्य अभ्यास के दायरे पर प्रकाश डालें। 10

ख) वैयक्तिक कार्य में रिश्तों के महत्व पर चर्चा करें। 10

ग) वैयक्तिक कार्यकर्ता क्लाइंट संबंधों के सिद्धांतों का मूल्यांकन करें। 10

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में एक उपकरण के रूप में गृह भ्रमण के पीछे अंतर्निहित दर्शन पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारकों की गणना करें। 5

ख) एक सामाजिक कार्यकर्ता के लिए नियंत्रित भावनात्मक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालें। 5

ग) साक्षात्कार के दौरान वैयक्तिक कार्यकर्ता द्वारा उपयोग किए जाने वाले कौशलों की संक्षेप में व्याख्या करें। 5

घ) संज्ञानात्मक–व्यवहार तकनीक के संदर्भ में लेन–देन विश्लेषण का अर्थ और सार स्पष्ट करें। 5

ङ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में नैतिक दुविधा से आप क्या समझते हैं? उदाहरण दें। 5

च) सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में गोपनीयता के सिद्धांतों की सीमाओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) आत्म–साक्षात्कार 4
ख) स्थानांतरण 4
ग) आत्म–निर्धारण का सिद्धांत 4
घ) शिष्टाचार निदान 4
ङ) चिकित्सीय साक्षात्कार 4
च) क्लासिकल कंडीशनिंग 4
छ) विरेचन 4
ज) कार्यकारी (ऑपरेटिव) कंडीशनिंग 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य की एक पद्धति के रूप में सामाजिक समूह कार्य के विकास को रेखांकित करें। 20

अथवा

भारतीय संदर्भ में प्रासंगिक सामाजिक समूह कार्य के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 20

2) समूह निर्माण के लिए मुख्य दिशा–निर्देशों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य का अभ्यास करने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक पर प्रकाश डालें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) समूहों को परिभाषित करें और समूहों की विशेषताओं पर चर्चा करें। 10

ख) भारतीय संदर्भ में समूह कार्य के लाभ और हानियाँ बताएँ। 10

ग) सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन से आप क्या समझते हैं? 10

घ) सुधारात्मक सेटिंग्स में सामाजिक समूह कार्य के महत्व पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक समूह कार्य में समूह जीवन चक्र के महत्व पर चर्चा करें। 5

ख) उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सामाजिक अधिगम सिद्धांत की व्याख्या करें। 5

ग) समूह विकास के चरणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

घ) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्ड रखने के महत्व की व्याख्या करें। 5

ङ) भारत में स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को क्या लाभ हैं? 5

च) सामाजिक क्रिया समूह से आप क्या समझते हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) विषमस्तरीय (वर्टिकल) समूह 4

ख) स्वयं सहायता समूह 4

ग) सामाजिक अधिगम सिद्धांत 4

घ) समूह गतिशीलता 4

ङ) पारस्परिक उत्तरदायित्व 4

च) सतत वैयक्तिकरण 4

छ) सहानुभूति 4

ज) जीवन कौशल शिक्षा

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कल्याण प्रशासन के दायरे की व्याख्या करें। 20

अथवा

अपने शब्दों में समुदाय को परिभाषित करें। समाज कार्य व्यवसायियों द्वारा समुदाय को समझने में उपयोग किए जाने वाले तीन दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 20

2) सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों और उनकी विशेषताओं का वर्णन करें। 20

अथवा

भारत में समाज कल्याण प्रशासन के इतिहास का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक संगठन के चरणों पर प्रकाश डालें। 10

ख) आप सामाजिक क्रिया के गांधीवादी मॉडल से क्या समझते हैं? व्याख्या करें। 10

ग) जनजातीय क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की व्याख्या करें। 10

घ) उपयुक्त उदाहरणों के साथ ग्रामीण समुदायों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें। 5

ख) लिंग संवेदनशील सामुदायिक संगठन अभ्यास की व्याख्या करें। 5

ग) भारत में एक झुग्गी समुदाय की विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

घ) समाज कल्याण प्रशासन की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) सामाजिक क्रिया में रणनीतियाँ क्या हैं? 5

च) सामुदायिक संगठन से जुड़े अंतर्निहित मूल्यों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) विमुक्त जनजाति 4

ख) नातेदारी 4

ग) सामाजिक अंकेक्षण 4

घ) लोगों की भागीदारी 4

ङ) समाज कल्याण प्रशासन का दायरा 4

च) शहरीकरण 4

छ) सामाजिक क्रिया की नैतिकता 4

ज) सामाजिक क्रिया का गाँधीवादी मॉडल 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वकालत को परिभाषित करें। नेटवर्किंग और वकालत के बीच संबंधों की व्याख्या करें। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य के साथ नेटवर्किंग के संबंधों की व्याख्या करें। 20

2) मानवाधिकारों की रक्षा में जनहित याचिका (PIL) कैसे काम करती है? उदाहरणों के साथ समझाएँ। 20

अथवा

शक्ति आधारित अभ्यास के प्रमुख तत्वों की सूची बनाएँ। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) शक्ति आधारित अभ्यास के दस सिद्धांत क्या हैं? 10

ख) समाज कार्य में नेटवर्किंग के विभिन्न दृष्टिकोणों और मॉडलों की व्याख्या करें। 10

ग) वकालत की चुनौतियाँ क्या हैं? 10

घ) समाज कार्य पेशे में सेवा के क्षेत्र के रूप में मानसिक स्वास्थ्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य के मूल्य के रूप में सेवा पर चर्चा करें। 5

ख) सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को लिखें। 5

ग) सहानुभूति से आपका क्या अभिप्राय है? 5

घ) समाज कार्य अभ्यास में शिक्षक के तत्वों को लिखें। 5

ङ) CASW के अनुसार गरिमा और मूल्य के सिद्धांत क्या हैं? 5

च) प्रभावी जन जागरूकता अभियान के लिए प्रमुख तत्वों को बताएँ। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) आचार संहिता में परिलक्षित योग्यता का मूल्य 4

ख) आलोचनात्मक सोच 4

ग) सहानुभूति 4

घ) मानव गरिमा क्या है? 4

ङ) ईमानदारी का महत्व 4

च) किसी व्यक्ति की गरिमा और मूल्य 4

छ) समाज कार्य पेशे में देशभक्ति की भूमिका 4

ज) समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंध 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) एचआईवी/एड्स में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की आवश्यकता, महत्व और प्रासंगिकता पर चर्चा करें।. 20

अथवा

भारत में एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता और रोकथाम के संदर्भ में संचार की चुनौतियाँ क्या हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ विस्तार से बताएँ। 20

2) महिलाओं और बच्चों से संबंधित एचआईवी/एड्स के संदर्भ में विशेष मुद्दों का वर्णन करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स के विशेष संदर्भ में परामर्श के महत्व का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी परीक्षण के प्रकारों में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें। 10

ख) एचआईवी/एड्स से जुड़े कलंक और भेदभाव की व्याख्या करें। 10

ग) एचआईवी/एड्स परामर्श की प्रकृति और महत्व का वर्णन करें। 10

घ) एचआईवी/एड्स से पीड़ित बच्चे के अधिकार क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी परीक्षण में शामिल कानूनी मुद्दों पर चर्चा कीजिए। 5

ख) एचआईवी/एड्स के विशेष संदर्भ में परामर्शदाता के कौशलों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ग) एचआईवी/एड्स से जुड़े तथ्य और मिथक लिखिए। 5

घ) एचआईवी/एड्स के प्रति संवेदनशील बच्चों के विभिन्न समूहों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ङ) एचआईवी और एसटीआई के बीच संबंधों पर प्रकाश डालिए। 5

च) एचआईवी/एड्स के प्रसार को कम करने में मदद करने वाले विभिन्न कारकों का उल्लेख कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामुदायिक देखभाल 4

ख) सहायता समूह 4

ग) पारिवारिक सहायता 4

घ) सीडी4 परीक्षण 4

ङ) एआरटी 4

च) जीवनसाथी परामर्श 4

छ) विंडो अवधि 4

ज) उपशामक देखभाल 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) .UNIFEM,DAW और CSW जैसी संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कार्य और भूमिका की व्याख्या करें। 20

अथवा

असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करें। 20

2) बालिकाओं के कल्याण और विकास के लिए कौन से कार्यक्रम हैं? उनकी प्रभावशीलता की जाँच करें। 20

अथवा

बच्चों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों का विस्तार से वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) प्रारंभिक भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति की पहचान करें। 10

ख) दुनिया के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं के मताधिकार आंदोलन पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ग) भारत में बालिकाओं के कल्याण और विकास के लिए कौन से कार्यक्रम हैं? 10

घ) बच्चों से संबंधित सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों पर प्रगति का सारांश दें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) अनौपचारिक क्षेत्र में गरीबों पर वैश्विक मंदी के प्रभाव को उजागर कीजिए। 5

ख) महिलाओं के विकास के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों और विधायी उपायों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

ग) भारत में बाल जनसंख्या के कम लिंगानुपात के कारणों का वर्णन कीजिए। 5

घ) पितृसत्ता महिलाओं को कैसे नियंत्रित करती है? स्पष्ट कीजिए। 5

ङ) संघर्ष समाधान क्या है? 5

च) बाल अधिकारों को बढ़ावा देने में यूनिसेफ और आईसीडीसी की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) अनौपचारिक क्षेत्र की भूमिका और प्रासंगिकता 4

ख) नारीवाद 4

ग) प्रजनन और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरसीएच) 4

घ) महिलाएँ और हिंसा 4

ङ) किशोरों का समाजीकरण 4

च) सड़क पर रहने वाले बच्चे 4

छ) परिवार के प्रति 'प्रणाली' दृष्टिकोण 4

ज) पारिवारिक जीवन चक्र 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के घटकों का वर्णन करें? 20

अथवा

प्रवासन की व्याख्या करें। इसके लक्ष्य क्या हैं? 20

2) समुदाय–आधारित आपदा मनोसामाजिक देखभाल मॉडल में एक स्कूल की क्या भूमिका है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाएँ। 20

अथवा

ICS क्या है? ICS में प्राथमिक कार्यों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) आपदाओं को परिभाषित करें। आपदा पर विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालें। 10

ख) भारत में बाढ़ की समस्याओं के बारे में चर्चा करें। आप बाढ़ आपदाओं के जोखिम को कैसे कम करते हैं? 10

ग) जल–मौसम संबंधी आपदा और भूवैज्ञानिक खतरों पर चर्चा करें। 10

घ) आपदा–पूर्व रिकवरी योजना के महत्वपूर्ण पहलुओं को गिनाएँ। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) महिलाओं को आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील क्यों माना जाता है? 5

ख) स्ट्राइक टीम और टास्क फोर्स में क्या अंतर है? 5

ग) एकीकृत कमान क्या है? 5

घ) ग्राम आपदा प्रबंधन योजना (वीडीएमपी) के महत्व पर प्रकाश डालें। 5

ङ) जोखिम प्रबंधन की व्याख्या करें। 5

च) आपदा के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें। 4

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) संरचनात्मक प्रवास 4

ख) आपदा मनोवैज्ञानिक–सामाजिक देखभाल में क्या करें और क्या न करें 4

ग) प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक (IDNDR) 4

घ) अभिघातजन्य तनाव विकार 4

ङ) सहकर्मी परामर्शदाता 4

च) आतंकवाद 4

छ) आपदा संकट मॉडल 4

ज) भगदड़ 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अंतर्राष्ट्रीय विकास और राहत में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका का वर्णन करें। 20

अथवा

अंतर्राष्ट्रीय समाज कल्याण परिषद को परिभाषित करें। 20

2) उपयुक्त उदाहरण के साथ अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य और समाज कार्य शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के बीच अंतर करें। 20

अथवा

उपयुक्त उदाहरण के साथ अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा को परिभाषित करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) आधुनिक समाज में संस्कृति और उसके कार्यों को परिभाषित करें। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के इतिहास पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ग) समाज कार्य के स्वदेशीकरण की व्याख्या करें। 10

घ) एशिया प्रशांत में समाज कार्य के इतिहास का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य पेशे के उद्‌भव पर चर्चा करें। 5

ख) यूरोप में समाज कार्य शिक्षा की व्याख्या करें। 5

ग) चीन और रूस में समाज कार्य का विकास बहुत देर से होने का मुख्य कारण क्या है? 5

घ) प्रशांत क्षेत्र में समाज कार्य हस्तक्षेप के प्रमुख मुद्दों को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) प्रशांत देशों में समाज कार्य अनुशासन की सामान्य विशेषताएँ क्या हैं? 5

च) समाज कार्य की उपचारात्मक केस वर्क पद्धति का वर्णन करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के लक्ष्य 4

ख) न्यूजीलैंड में समाज कार्य शिक्षा 4

ग) पूंजीवाद और उपनिवेशवाद 4

घ) रेड क्रॉस 4

ङ) डब्ल्यूएचओ 4

च) समाज कार्य के स्कूलों के अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएएसएसडब्लू) 4

छ) सांस्कृतिक क्षमता 4

ज) समाज कार्य शिक्षा 4